nt>

Title: Requests the Central Governmnet to cure the Hepatitis disease and need to provide treatment to its patients.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): सभापति महोदय, हिपेटाईटिस नाम की बीमारी के लिये किये गये सर्वेक्षण के अनुसार देश में करीब एक करोड़ दस लाख आदमी अस्वस्थ हो गये हैं। यह एक जानलेवा बीमारी है। इसके कोई लक्षण प्रकट नहीं होते और लीवर भी खराब हो जाता है। इसका टीका भी महंगा है।

जब बीमारी हो जाए तो गरीब आदमी बच नहीं सकता। एक लाख रुपये की सुई उसको कई महीनों तक लगानी पड़ती है, तब वह बच सकता है। उसमें भी जब स्टेज आगे बढ़ जाती है तो बचने की गुंजाइश नहीं होती। इसलिए हम सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि सरकार उस बीमारी की रोकथाम के लिए टीके का उ पाय कराए जिससे लोगों को बीमारी न हो और जिन लोगों को बीमारी हो गई है, उनका भी इलाज इस तरह से हो कि उनकी जान न जाए। बड़े पैमाने पर यह बीमारी फैल रही है और पानी की खराबी से यह बीमारी फैलती है। हॅपाटाइटिस और ऑस्ट्रेलिया ऐन्टीजन का बहुत कठिनाई से जांच के बाद पता लगता है। इसलिए करोड़ों लोगों को मरने से बचाने के लिए रोकथाम का उपाय किया जाना चाहिए।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I will call all the names.

... (Interruptions)

SHRI JAYARAMA I.M. SHETTY (UDUPI): Sir, can you see us from there? ... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: I am going strictly by the list. Please take your seat.

... (Interruptions)

SHRI JAYARAMA I.M. SHETTY : Sir, you never give us an opportunity to speak... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: I will call the names of those whose names are there in the list. I am going strictly by the list. Please take your seat now.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please take your seat. I have called the name of Shri Radhakrishnan.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Nothing, other than what Shri Radhakrishnan is saying, would go on record. Yes, Shri Radhakrishnan.

(Interruptions)*